

रोजगारोन्मुखी शिक्षा आर्ट, कॉमर्स या कोई भी स्ट्रीम का स्टूडेंट निःशुल्क कर सकता है साफ्टवेयर का कोर्स एक साल का कोर्स कर साफ्टवेयर प्रोग्रामर को मिल रहा अच्छा पैकेज

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

ए ग्रेड इंजीनियरिंग कॉलेजों को छोड़ दिया जाए तो अन्य संस्थानों से ग्रेजुएशन या इंजीनियरिंग करने के बाद स्टूडेंट्स जितना पैकेज पाते हैं, उतना ही पैकेज अब एक साल का कोर्स करने के बाद मिलने लगा है। 12 वीं पास ऐसे युवा जो साफ्टवेयर के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाना चाहते हैं उनके लिए एक साल का खास प्रोग्राम तैयार है। आर्ट, कॉमर्स या कोई भी स्ट्रीम का स्टूडेंट यह कोर्स कर सकता है, वह भी निःशुल्क।

आईआईटीआई इंदौर ट्रस्ट सीपीएस फाउंडेशन, आईआईटी इंदौर युवा को तकनीकी स्तर पर योग्य और रोजगार प्राप्त करने के लिए सफल बनाने के लिए अग्रसर है। इस कड़ी में इन्फोबीस फाउंडेशन के साथ एक वर्ष का करार किया गया जिसके तहत 250 से अधिक युवाओं को साफ्टवेयर डेवलपमेंट और अर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ट्रेनिंग दी जाएगी।



अविनाश सेठी, को-फाउंडर, इन्फोबीस टेक्नोलॉजी ने मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए बताया यह 1 साल का प्रोग्राम है। शहर में 3 सेंटर संचालित किए जा रहे हैं। सेंटर खोलते वक्त इस बात का खास ध्यान रखा जाता है कि मध्यम वर्ग तक इसका लाभ

आसानी से पहुंचे। साल 2019 में सेंटर की शुरुआत हुई। अभी तक 150 स्टूडेंट्स ने इस कोर्स को किया है, जिसमें से 120 स्टूडेंट्स आज कई नामी कंपनी में काम कर रहे हैं। इनमें एवरेज पैकेज 2-4 लाख रुपए साल का है।

चालीस युवा लड़कियों की बनाएंगे बैच

आईआईटीआई इंदौर ट्रस्ट सीपीएस फाउंडेशन, आईआईटी इंदौर के सीईओ आदित्य ब्यास ने बताया हम कई संस्थानों से जुड़े हैं और हजारों युवाओं को रोजगारोन्मुखी शिक्षा दे रहे हैं। साथ ही स्टार्टअप को प्राथमिक स्तर पर आर्थिक सहायता और बिजनेस के गुर सिखाने का भी काम किया जाता है। फाउंडेशन की मेघना सेठी के बताया वर्तमान में 5 बैच एक साथ चल रही है। अभी तक 55 कंपनियों में युवा जॉब प्राप्त कर चुके हैं। इन्फोबीस फाउंडेशन का फिक्की प्लो के साथ करार है। फिक्की प्लो इंदौर के सदस्य मिल कर चालीस युवा लड़कियों की एक गर्ल ओनली बैच संचालित करेंगे। यह साफ्टवेयर डेवलपमेंट ट्रेनिंग साल भर चलेगी और लड़कियों के लिए यह शिक्षा पूर्ण रूप से मुफ्त रहेगी। फिक्की प्लो इंदौर चेयरपर्सन विभा जैन सेठी ने बताया इस बार हमारा लक्ष्य पूर्ण रूप से लड़कियों को रोजगार देना है।